objectives and as such this recommendation was made. But the recommendation is understandable because it says that when you give grant-in-aid to the Institute—and the grant-in-aid should not be more than six lakhs—there should be some kind of an inbuilt method of controlling the actual working of the Institute to see that the money given by the Government is properly spent. It is a good suggestion and it would receive the attention of the Government.

SHRI D. K. PANDA: In view of the present needs of the country, I would like to know whether the Law Institute has been depending upon the study of books of the colonial past alone, or any socialistic law has been studied and provisions made accordingly. This is included in their functions also.

SHRI H. R. GOKHALE: The hon. Member has referred to the colonial past. All that I can say is that they take into account the socio-economic necessities of the time and by the very objectives of the Institute they are required to depart from the colonial heritage and make recommendations accordingly.

योजना आयोग द्वारा नई रेल लाइनों के लिये धनराशि का नियतन

*190. श्री रामावतार शास्त्री : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मंत्रालय ने हाल में योजना आयोग से देश में नई रेल लाइनों के निर्माण के लिए धनराशि नियत करने की मांग की है;

(ख) यदि हां, तो इसकी मुख्य बातें क्या हैं; और

(ग) इस बारे में योजना आयोग की प्रतिक्रिया क्या है ?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री बूटा सिंह) : (क) से (ग). एक विवरण सदन पटल पर रख दिया गया है ।

[विवरण

पांचवीं पंचवर्षीय योजना में नयी रेलवे लाइनों के निर्माण के लिए योजना आयोग द्वारा पहले ही एक सौ करोड़ रुपयों की धनराशि का आवंटन कर दिया गया है । यह राशि अनुमोदित किये गये निर्माण कार्यों को पूरा करने और आर्थिक रूप से महत्व रखने वाले निर्माण कार्यों के लिए ही अपर्याप्त है । नयी लाइनों के निर्माण जिनमें पिछड़े क्षेत्रों के लिए भी लाइनें शामिल हैं, के लिए पांचवीं योजना में अतिरिक्त धन आवंटन हेतु योजना आयोग से आग्रह किया गया था । अभी हाल में योजना आयोग से बातचीत के द्वारा इस आग्रह की पुनरावृत्ति की गयी थी । लेकिन अन्य क्षेत्रों से आयी हुई मांगों की अधिकता और संसाधनों की कठिनाई के कारण योजना आयोग अतिरिक्त धनराशि आवंटित करने में असमर्थ रहा है ।

श्री रामावतार शास्त्री : पांचवीं पंचवर्षीय योजना काल में नई रेलवे लाइनों के निर्माण के लिए योजना आयोग ने एक अरब रुपये की व्यवस्था की है, इस बात को चर्चा वक्तव्य में है । इस एक अरब रुपये में जिन लाइनों के निर्माण का कार्यक्रम आपने बनाया है उसका कोई ब्यौरा हो तो सदन को बताने की कृपा करें ।

श्री बूटा सिंह : अध्यक्ष महोदय, आप की आज्ञा से मैं लिस्ट पढ़ देता हूं .....

अध्यक्ष महोदय : कितनी बड़ी लिस्ट है ?

श्री बूटा सिंह : काफी लम्बी है ।

अध्यक्ष महोदय : तो आप उसे सभा पटल पर रख दीजिए ।

श्री [illegible] शास्त्री : योजना आयोग से आप ने नई लाइनों के निर्माण और रेलवे के दूसरे विकास कार्यों के लिए कितनी धन-राशि की मांग की थी और योजना आयोग के आप ने बारे में बताया है कि कुछ कठिनाइयां हैं तो क्या आप आशा रखते हैं कि जितनी धनराशि की आप ने मांग की है उस में से कुछ भी राशि मिलने की संभावना है ? उस के लिए आप ने कौन सी योजना बनाई है ? किस आधार पर आपने उक्त राशि की मांग योजना आयोग से की है ?

रेल मंत्री (श्री कमलापति त्रिपाठी) : अध्यक्ष महोदय, योजना आयोग से बराबर हम और धन की मांग करते रहे हैं। जो एलाटमेंट हमारे लिए हुआ है वह उस काम के लिए भी काफी नहीं है जो हम ने अपने हाथ में ले रखा है और जिस पर कार्यवाही चल रही है। यह प्रश्न योजना आयोग के सामने कई बार रखा गया और उन का यह कहना है कि आर्थिक स्थिति जैसे ही ठीक सुधरेगी वैसे ही विशेष रूप से सहायता करने की चेष्टा की जायगी। इस वक्त तो जो प्रायरिटीज उन्होंने बांध रखी है उन की तरफ उनका ध्यान है। हम बराबर उनसे मांग करते रहते हैं। हमें आशा है कि ज्यों ही उन के लिए संभव होगा वे कुछ न कुछ धन की व्यवस्था हमारे लिए करेंगे, इस में सन्देह नहीं है।

Nagpur-Bombay Railway Line via Amraoti

*192. SHRI VASANT SATHE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether various organisations in Vidarbha region of Maharashtra have been persistently making a demand for deviation of Nagpur-Bombay Railway line *via* Amraoti;

(b) if so, whether the proposal was considered by the Railway authorities and the decision taken in the matter; and

(c) if no decision is taken in this 3
regard, how soon Government would take a final decision?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI BUTA SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) The proposal for bringing Amraoti on Bhusaval-Nagpur main line was considered in 1958 but was dropped due to lack of adequate traffic justification.

(c) In view of non-availability of adequate funds for completing the works already in progress and those approved to be taken up shortly, it may not be possible to consider the proposed rail link at present.

SHRI VASANT SATHE: I would like to know in view of the fact that Amraoti is not only historically important but even mythologically important—Panditji knows....

श्री शंकर दयाल सिंह : आप पंडित जी से हिन्दी में सवाल पूछिये।

श्री वसन्त साठे : अमरावती पौराणिक तथा ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण स्थान है, केवल दस किलोमीटर का फासला है बडनेरा से अमरावती का और यदि आप अमरावती से तीन किलोमीटर के फासले पर डाईवर्जन कर दें तो विदर्भ का यह महत्वपूर्ण शहर रेल लाइन पर आ जायेगा। यह रुकमणी का शहर है, आपके लिए भी इससे आसानी हो जायेगी और कृष्ण भगवान को जो कठिनाई थी वह भी नहीं रहेगी। पैसा भी आपको मिल जायेगा और एकोनामिकली भी यह ठीक रहेगा। पंडित जी से मैं इसका उत्तर चाहूंगा।

रेल मंत्री (श्री कमलापति त्रिपाठी) : आपका सुझाव बड़ा अच्छा है और रुकमणी के नाम से उसका सम्बन्ध है। कृपा करके किसी समय आप मेरे दफ्तर में पधारें, इस विषय में आपसे विस्तार में बात कर लें और अगर संभव हो तो कुछ किया जाये।